अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार रिपोर्ट

सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में कैरियर की संभावनाएं विषय पर अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की कंप्यूटर विज्ञान संस्थान, में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला के दूसरे चरण में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में कैरियर की संभावनाओ के विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन के मान. प्रोफेसर अखिलेश कुमार पांडेय ने की वेबिनार के मुख्य वक्ता स्पार्क आई.टी. कंपनी, न्यूजीलैंड के आई.टी. कंसल्टेंट श्री अभिषेक त्रिपाठी थे। आमंत्रित वक्तागण में श्री संदीप श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट वाईस प्रेसिडेंट, इन्फिनिटी कंप्यूटिंग सॉल्यूशन, बैंगलोर, श्री अनादि उपाध्याय, सीनियर डायरेक्टर एप्लीकेशन डेवलोपमेन्ट, ओरेकल कॉर्पोरेशन, अमेरिका, श्री सुबोध श्रीवास्तव, कार्नर स्टोन ऑन डिमांड, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, श्री बालकृष्ण पाटीदार, सीनियर बिज़नेस एनालिस्ट, कॉमन वेल्थ, बैंक, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, श्री गोविन्द सेठिया, टीसीएस, यू.के. इंग्लॅण्ड आदि ने संबोधित किया |

अध्यक्षीय उद्बोधन में मान कुलपति जी ने वर्तमान समय मे आई टी के क्षेत्र में जो विकास हुआ है उसमें सॉफ्टवेयर डेवेलपमेंट की विधाओ की महती भूमिका है। वर्तमान में समाज मे तकनीकी का उपयोग कर किस प्रकार से टेक्नो क्राइम एवं टेक्नो ट्रैप चल रहा हैं, एक आम आदमी इन सब मे उलझ के रह जाता हैं। सोशल मीडिया का उपयोग समाज हित मे किस प्रकार किया जा सकता हैं ।

मुख्य वक्ता ने बताया किस प्रकार वर्तमान समय मे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का कार्य नई अवधारणा का उपयोग कर के कम समय ज्यादा उत्पादन कर रहा हैं। उन्होंने बताया किस प्रकार से डेवलपमेंट और ऑपरेशन दो शब्दों का उपयोग कर के डेवऑप्स बना हैं। यह किसी भी प्रकार का टूल या तकनीकी न होकर एक कार्यप्रणाली हैं। जो डेवलपमेंट और ऑपरेशन्स टीम के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देती हैं अर्थात इनके बीच के गैप को कम करती है और टीम के आपसी समन्वय को सुदृढ़ करती हैं। डेवऑप्स सिद्धान्त न केवल सॉफ्टवेयर विकास और संचालन के प्रदर्शन को बढ़ाते है, बल्कि वेब सेवा विकास और गुणवत्ता आश्वासन पहुलओं पर भी सकारात्मक प्रभाव दिखाते हैं।

डॉ. उमेश कुमार सिंह, निदेशक, कंप्यूटर विज्ञान संस्थान ने अपने स्वागत भाषण में आमंत्रित अतिथियों का अभासिक रूप से स्वागत किया एवं आज के विषय पर आयोजित वेबिनार का उद्देश्य स्पष्ट कर बताया कि डेवऑप्स ज्ञान और सूचना साझा करने की संस्कृति के लिए एक रास्ता तैयार करना हैं। जो आई टी टीमो के बीच संचार अंतराल को कम करता है, इस प्रकार स्थापना और निरंतर वितरण की सुविधा प्रदान करता हैं।

आईटी विशेषज्ञ श्री संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी सॉफ्टवेयर के डेवलपमेंट में यूजर स्पेसिफिकेशन बहुत महती भूमिका रखते हैं।

श्री सुबोध श्रीवास्तव ने बताया है कि वर्तमान समय में इनफार्मेशन मोबाइल पर संग्रहित हो रही हैं। और साइबर सिक्योरिटी की महती आवश्यकता हैं।

श्री गोविंद सेठिया जी ने अपने संबोधन में बताया कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की सफलता उसकी आवश्यकता के विश्लेषण पर निर्भर करती है ।

वेबिनार में संस्थान के शिक्षक, छात्र, एवं अन्य संस्थाओं के छात्रों की सहभागिता की कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गीतिका सिंह,समन्वयक, इनोवेशन सेल ने किया, कार्यक्रम में मंगलाचरण डॉ राजेश्वर शास्त्री मूसलगांवकर, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने किया तथा डॉ क्षमाशील मिश्रा,समन्वयक पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ ने अंत मे सभी का आभार माना |